राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 40.00
संख्या 700
फ्लेमिना
नागराज
सुपर कमांडो ध्रुव
का मल्टीस्टार विशेषांक
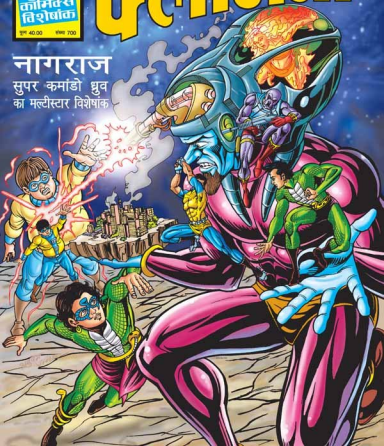
कथा : जॉली सिन्हा
चित्र : अनुपम सिन्हा
इंकिंग : विनोद कुमार
सुलेख व रंग: सुनील पाण्डेय
सम्पादक : मनीष गुप्ता

पापा! कैसी लग रही है मेरी जैकट और टोप?
ENTRY
LABORATORY
RESTRICTED
ब्यूटीफुल! तू जो भी पहन लेगी, तुझ पर वह ड्रेस अच्छी ही लगेगी शामा!
क्योंकि मेरी बेटी है ही इतनी सुन्दर।
ओ पापा! आप तो ऐसे तारीफ कर रहे हैं जैसे मैंने कोई पार्टी ड्रेस पहन रखी हो!
ये पार्टी ड्रेस ही तो है। माऊंटेनियरिंग पार्टी की ड्रेस!
अच्छा अब ये बता! ये जैकेट गर्म तो है न?

तुम लोग आठ हजार फीट ऊँची बर्फ से ढकी चोटी पर जा रहे हो! वहाँ पर बहुत ठंड होगी!
पापा, आप तो जानते हैं कि मुझे बदन गर्म रखने के लिए जैकेट की जरूरत नहीं है! वह तो मुझे सिर्फ दूसरों को दिखाने के लिए पहननी है!
दूसरों को? हम! ये दूसरे कौन हैं जिनको तुम्हें अपनी जैकेट दिखानी है?
ओ, कम ऑन पापा!
मेरा मतलब तुम्हारे साथ माउंटेनियरिंग ट्रिप पर और कौन-कौन आ रहा है?
विशाल, तरुण, शशि, नान्या और विषांक! और साथ में दो टीचर भी हैं!
एक हमारे ट्रेनिंग टीचर हैं और दूसरे हमारे नए टेंपरेरी कंप्यूटर टीचर सिल्लू सर!
सिल्लू! ये तो बच्चों का नाम है!
कूल डाउन पापा! पहाड़ों पर वहाँ के कई एक्सपर्ट पर्वतारोही हमारे साथ रहेंगे!
सर भी बच्चे ही हैं!
हे भगवान! ये कैसी ट्रिप है? बच्चे टीचर बनकर आ रहे हैं!
ओ.के.! ओ.के.!
लीजिए! मुझे लेने के लिए वैन भी आ गई! बाय, बाय, पापा!
हैव ए नाइस टाइम बेटा!

आहा! अब मैं आराम से उस फार्मूले की शोध पर लग सकता हूं, जो हम बाप-बेटी में समाए उस कलंक को मिटा देगा, जो हमको सामान्य मानव बनकर जीने नहीं दे रहा है!
मैंने उस फार्मूले को तो ढूंढ निकाला है! अब मुझे सिर्फ उस फार्मूले को बनाना है!
और इस फार्मूले को दो बार पीने के बाद इस दुनिया से लावा का नामो निशान मिट जाएगा!

☆ कलावा के बारे में जानने के लिए पढ़ें-लावा एवं विनाशलीला

ईऽऽऽऽऽ
फ्लेमिंगो
आईऽऽऽऽ?
आऽऽऽऽऽ
बचाओऽऽऽऽ
काम करता है! मेरा यंत्र काम करता है!
लेकिन इसको जरा और बड़ी वस्तु पर आजमाना चाहिए!
SCHOOL OF
जैसे वह... क्या कहते हैं उसे... हां, बस!
ही ही ही!

ही ही ही! असर होता है! पर... पर ये क्या?
बस तो छोटी हो रही है! लेकिन इसमें बैठे इंसानों पर किरण का असर नहीं हो रहा है!
यानी मेरी सफलता अभी पूरी नहीं है! मुझे अभी अपनी किरण को और शक्तिशाली बनाना है!
और उसके लिए मुझे और ऊर्जा की जरूरत पड़ेगी! एक नया ऊर्जा स्रोत खोजना पड़ेगा। इलेक्ट्रिक सप्लाई जैसे मामूली ऊर्जा स्रोत से काम नहीं चलेगा।
SCHOOL
ची ई ई ई ड़ ड़ ड़
बस का आकार तेजी से छोटा होता जा रहा था-
और उसमें बैठे बच्चे पिसने वाले ही थे-

लेकिन संयोगवश मदद भी पास में ही मौजूद थी-
अरे! ये क्या? मैं तो महानगर में होने वाली ब्रह्मांड रक्षकों की इमर्जेन्सी मीटिंग के लिए जा रहा था! लेकिन लगता है कि मैं मीटिंग के लिए लेट होने वाला हूं!
नागराज! हमें बचाओ!
ओफ्! ये बस तो बहुत तेजी से झुक रही है!
खिड़कियों और दरवाजों में पकड़ने तक की जगह नहीं है!
वर्ना मैं इस मेटल चादर को कागज की तरह फाड़ डालता!
अब एक ही रास्ता है!

इच्छाधारी कणों में बदला हुआ नागराज का शरीर बस के अंदर घुसता चला गया-
और-
कु..चचचचच चच
तुम लोग ठीक तो हो न बच्चों?
नागराज, ये देखो!
इन लुटेरों को हमने इसी इलाके में पकड़ा है! पर ये काफी डरे हुए हैं!
तो इनको आप मुझसे क्यों मिलवा रहे हैं? जाकर लॉकअप में बंद कर दीजिए!
इनके हाथों को गौर से देखो नागराज!

अरे! ये तो...यानी इनका सामना भी उसी शक्ति से हुआ है, जिसने बस पर वार किया था!
शायद इन्होंने उसको देखा भी हो!
ये उस तरफ इशारा कर रहे हैं! क्या उस तरफ कोई है?
शायद हो! मैं देखता हूँ!
नागराज इधर आ रहा है! अभी उसके सामने पड़ना ठीक नहीं है!
अभी मुझको नया ऊर्जा स्रोत खोजना है!
जा, रेंगनी! रोक नागराज का रास्ता!
और हो सके तो इसकी साँसों को भी रोक दे!
ओह! ये क्या है? एक छोटा सा कीड़ा! क्या वे चोर इसी की तरफ इशारा कर रहे थे?

नहीं! ये कीड़ा इतना डरावना नहीं है! और इसमें पिस्तौल को छोटा कर सकने की क्षमता भी नहीं हो सकती है!
और...
अरे! ये कीड़ा तो विकसित हो रहा है!
ग्रो कर रहा है!
विशालकाय रूप धारण कर रहा है!
असली मुसीबत इन पाइपों के पीछे छिपी है!
और मुझे उस तक पहुंचकर उसको हमेशा के लिए खत्म करना होगा!

फ्लेमिना
धड़ाऽऽऽ
और इस जीव में सर्प के गुण भी हैं! ये जरूर मुझ पर किया गया एक सोचा समझा हमला है!
इधर मौत नागराज का इंतजार कर रही थी–
और उधर ब्रह्मांड रक्षक–
ये नागराज कहां गायब हो गया? खामख्वाह में हमारा टाइम खराब हो रहा है!
कोई कारण जरूर है! नागराज के आने के समय से तो तुम घड़ी मिला सकते हो!
ऊीऽऽऽ! मेरा ट्रांसमीटर महानगर पुलिस का खास मैसेज पकड़ रहा है!
सुनो! मैं स्पीकर ऑन कर रहा हूं!

पुलिस यूनिट्स 23, 46, 91 ध्यान दें! मांडेरा रोड पर नागराज एक विशालकाय जीव से जूझ रहा है! प्राणी खतरनाक है! पूरे इलाके की नाकाबंदी कर दें...
...और किसी को भी घटना-स्थल से 500 मीटर की दूरी से आगे न जाने दें!
स्वयं भी सतर्क रहें! और स्पेशल यूनिट के आने का इंतजार करें! आम बंदूकें प्राणी पर बेअसर हैं!
इसीलिए सिर्फ सुरक्षात्मक कार्यवाही करें! अन्यथा...
स्पेशल यूनिट को बौना बना देने वाली एक खास यूनिट नागराज की मदद के लिए रवाना हो चुकी थी-

और दार्जिलिंग से 80 किलोमीटर दूर पश्चिम में-
शाबाश बच्चों! तुम सब बहुत अच्छा कर रहे हो! घबराना मत! दो इंस्ट्रक्टर तुम्हारे आगे हैं और दो पीछे!
कहीं कोई खतरा नहीं है!
हां! ये भूकंप है! बचो, बच्चों!
देखो! अब ध्यान से देखो! अब हम चढ़ाई शुरू करने जा रहे हैं! इसके लिए सबसे पहले हम बर्फ में कीलें गाड़ेंगे!
यार, मेरे पैर कांप रहे हैं या जमीन हिल रही है?
ये जमीन नहीं है, बर्फ की मोटी पर्त है!
कंपन तो मुझे भी महसूस हो रही है! कहीं भूकंप तो नहीं आ रहा है?
किसी चट्टान के नीचे छिपने की कोशिश मत करना! कोई आड़ ढूंढो!

ओ माई गॉड! ये बर्फीली चट्टान तो इधर ही आ रही है! अब हम नहीं बचेंगे!
मैं मरना नहीं चाहती! मैं मरना नहीं चाहती!
रुको शमा! इधर-उधर मत भागो! बर्फ की पर्त के नीचे कई खतरे छिपे हो सकते हैं!
बर्फ की चट्टान बच्चों को कुचलने के लिए बढ़ती आ रही थी-
और उस विशाल चट्टान से बचकर भाग पाना-
या उसको नष्ट कर पाना असंभव था-
या उसको रोक पाना-
व्हाट! ये चट्टान पहले हवा में रुक गई, और फिर टूट गई! पर कैसे? शायद ये हल्की और कच्ची बर्फ की बनी थी!
लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है कि बाकी चट्टानें भी इस जैसी ही हों!

ओफ़ ! ये चट्टानें संख्या में बहुत ज्यादा हैं ! मैं इन सबको एक साथ नहीं रोक सकता !
अब तो कोई अनहोनी होकर ही रहेगी !
अनहोनी होकर ही रही-
जिसका आभास तक नहीं था, वही हुआ-
फ्लेमिना ?
फ्लेमिना ! तुम कहां से आ गईं ?
गलत सवाल ! तुमको कहना चाहिए था कि 'थैंक गॉड' ! तुम समय पर आ गईं, फ्लेमिना !
या फिर सिर्फ 'थैंक्यू फ्लेमिना' से भी काम चल जाता !
मैं कुछ-कुछ समझ रहा हूं कि तुम कहां से आई हो !
शामा !
शामा, तुम कहां हो ?

शमा ! क्या तुम्हारे साथ शमा नहीं है ?
तुम सामने हो तो शमा कैसे आस्गी ! मुझे शक तो पहले से ही था !
शक ? और मुझ पर ? कैसा शक ?
अभी पता चल जास्गा जब शमा का कोई जवाब नहीं आस्गा !
शमा !
देखा ? कोई जवाब नहीं आया ! क्योंकि फ्लेमिना ही शमा...
मैं यहां हूं ! सक गड्ढे में गिर गई हूं !
मुझे निकालो !
हां, तो तुम क्या कह रहे थे ?
कुछ नहीं ! हम आ रहे हैं शमा !
और फ्लेमिना जा रही है !
शमा ! तुम कहां हो ?
यहां ! जल्दी आओ ! मुझे डर लग रहा है !
थैंक गॉड कि तुम सही-सलामत हो ! गड्ढा ज्यादा गहरा नहीं था !
पहले मुझे बाहर तो निकालो !

इन तीनों की मौत निश्चित थी या नहीं, ये कहना तो मुश्किल था-

लेकिन नागराज का भी बचना मुश्किल लग रहा था-
मेरी विषफुंकार इस पर सिर्फ इतना ही असर डाल पा रही है कि मुझको इसके शिकंजे से आजाद कर सके !
फ़ूऽऽ
अब मेरे सामने एक ही रास्ता है। विषदंश का प्रयोग करने का।
इसके शरीर में अपना विष पहुंचाकर इसको गला डालने का!
आऽऽऽहा! नष्ट हो गई ये आफत!
नागराज! तुम ठीक हो न?
ओहो! धन्यवाद दोस्तों! तुम लोग एकदम सही वक्त पर आए हो!
मीटिंग प्लेस तक जाने के लिए लिफ्ट मिलेगी?

आऽऽऽह!
ये गलकर भी फिर कैसे विकसित हो गया?
पता नहीं! मैंने आते ही इसका बायो-स्कैन करने की कोशिश की थी! लेकिन स्कैन में कुछ आया ही नहीं!
ज्यादा टेक्नीक का इस्तेमाल करोगे तो हवा ही हाथ आएगी! डोगा वाला सीधा रास्ता अपनाओ! मैं इसके इतने टुकड़े कर दूंगा जिनको गल-कर भी आपस में जुड़ने में सदियां बीत जाएंगी!

दुश्मन को इतना कमजोर मत समझो डोगा! अभी हमको इसके बारे में कुछ भी नहीं पता है!
जब तक हमको इसकी शक्तियों और कमजोरियों का पता न चल जाए तब तक हम इसको मारने की योजना नहीं बना सकते!
तुम तो सिर्फ इसकी अंत्येष्टि की योजना बनाओ! क्योंकि हमारी फायर पॉवर इसको धुंआ बनाकर हवा में उड़ा देगी!
स्टील!
मेरे लॉजिक सर्किट को सिर्फ एक ही बात शॉर्ट करती है!
एक अपराधी के साथ काम करना!
तो तुम मुझे जज समझलो! जो ज्यादातर मौत की सजाही सुनाता है! और फायर पॉवर बढ़ाओ! वर्ना न तुम रहोगे और न ही तुम्हारे लॉजिक सर्किट!
रेंगनी को मदद चाहिए!
फायर पॉवर को ठंडा करना पड़ेगा!
शिंक रेसे!

और अगले ही पल -
अरे! मेरी हेवी ड्यूटी गन पिस्तौल के साइज की कैसे हो गई!
अब लेजर-चिप का प्रयोग करने के अलावा और कोई चारा नहीं है! हालांकि ऐसा करने से मेरी बैटरी काफी तेजी से डिस्चार्ज होगी! पर और कोई तरीका नहीं है!
मेरी सुपर-गन का भी यही हाल हुआ है! अब हमारी फायर पॉवर में माचिस की तीली के बराबर का दम है!
इसका इस विशाल प्राणी पर कोई असर नहीं होगा!
और स्टील के साथ-साथ रेंगानी के टुकड़े भी जमीन पर आ गिरे -
स्टील! तुमने कर दिखाया! पर तुम ठीक तो हो न?
सुपर लेजर की पावरफुल किरण ने रेंगानी को कई भागों में बांट दिया -
आह!
ठीक हूं! बस जरा सी बैटरी डिस्चार्ज हो गई है!
क्या हुआ स्टील?
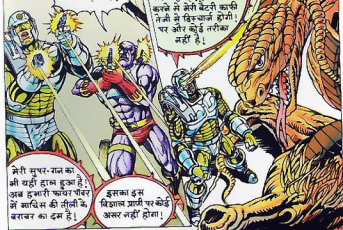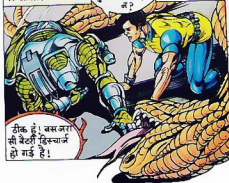
राज कॉमिक्स
पता नहीं! फिर से कसाव महसूस हो रहा है!
स्टील का शरीर सिकुड़ रहा है! ये छोटा हो रहा है! लेकिन इसका सिर छोटा नहीं हो रहा है! कैसे?
मैं समझ रहा हूं! हमारे आसपास कोई ऐसी शक्ति है जिसके पास वस्तुओं को छोटा करने की शक्ति है! परंतु इंसानों यानी जैविक पदार्थों को श्रिंक करने की शक्ति नहीं है!
अगर वह शक्ति हमारे आसपास है तो हमको उसे ढूंढकर और कोई बड़ा उत्पात मचाने से रोकना होगा!
बिलकुल सही! आओ!
लेकिन तभी-
तीनों के बढ़ते कदम थम गए-
अब एक नहीं बल्कि तीन नई मुसीबतें उनके सामने थीं-
ये... ये तो हमारे ही रूप हैं!
क्या इस जीव के पास भी तुम्हारी तरह कोई इच्छाधारी शक्ति है नागराज?
मैं ऐसा नहीं समझता डोगा! कारण कोई और ही है! और बगैर उस कारण का पता लगे हम इसको खत्म नहीं कर सकते!

और वहां से हजारों किलोमीटर दूर-
आऊऽऽऽऽ
अरे! ये हम कहां आ गए हैं? लगता है कि हमने हिमालय की गुफाओं में छुपा कोई बड़ा रहस्य ढूंढ निकाला है!
आऽऽऽह!
ओए, देख के!
मुझको तो ये किसी प्राचीन लेकिन विकसित सभ्यता के अवशेष लगते हैं!
मैं डिजिटल कैमरे से इसकी फोटो उतार लेता हूं!
वर्ना क्या पता कोई हमारी बात का यकीन करे या न करे!
अरे! डिजिटल कैमरे में तो कुछ आ ही नहीं रहा है! शायद ये गिरने से खराब हो गया है!
फोटो तो हम तब दिखा पाएंगे जब यहां से बाहर निकल पाएंगे! हम बाहर कैसे निकलेंगे?
उसी सुरंग से जिसने हमको यहां तक पहुंचाया है!
वह सुरंग बर्फ में दबकर गायब हो चुकी है! कोई और रास्ता ढूंढो!
रास्ता तो मैं एक मिनट में...
चेले!
क्या गुरू?
हुम हुम!
समझा!
उमा के सामने मैं अपनी शक्तियां नहीं दिखा सकता!
वर्ना इस तेज लड़की को यह समझने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा कि मैं ही छोटा नागराज हूं!

ये विषांक बड़ा सयाना बन रहा है! जैसे कि मैं जानती ही नहीं कि ये छोटा नागराज है! पर ये नहीं जानता कि मैं फ्लेमिना हूं! और इन दोनों को पलभर में उड़ाकर यहां से निकाल ले जा सकती हूं!

लेकिन अब ये मेरे सामने अपना भेद नहीं खोल रहे हैं तो मैं इनके सामने अपना भेद क्यों खोलूं?

तभी-

अरे! ये धुंध कहां से आ रही है?

कहीं से भी आ रही हो, अच्छा ही है! अब मैं आराम से बर्फ से ढकी इस सुरंग को खोल सकती हूं!

फ्लेमिना के रूप में!

विषांक! सिल्लू इधर आओ! मुझे रास्ता मिल गया है!

और उधर किसी की आंखें आश्चर्य से फटी जा रही थीं-
ओह! लगता है कि मेरी तलाश पूरी हो गई है!
मंजिल खुद चलकर मेरे पास आ गई है!
तू जो भी है, तूने डोगा को चुनौती दी है! और डोगा चुनौती देने वालों को चुन-चुनकर मारता है! पहला नंबर तेरा है... और तेरे बाद...
आऽऽऽह!
इसमें तो मेरे जैसी ही ताकत है!
कम नहीं है तो कम करना पड़ेगा!
इन्होंने सिर्फ हमारे रूप की ही नहीं, हमारी शक्तियों की भी नकल कर ली है डोगा!
और मेरे रूप के अंदर जो विष पैदा हो रहा है, वह मेरे विष जितना ही घातक है!
तुम सही कह रहे हो, नागराज!
मेरा रूप भी कलाबाजी में मुझसे कम नहीं है!

आहा ! अब आया है पकड़ में !
दोनों की ही गर्दनों पर शिकंजे कस चुके थे-
दोनों के ही फेफड़ों से सांस का संपर्क कट चुका था-
अब देखना यह था कि किसका संपर्क होश की दुनिया से पहले कटता था-
लेकिन शायद इनसे भी पहले ध्रुव का संपर्क इस दुनिया से ही कटने वाला था-
आऽऽऽ ह ! इसके पास मुझसे ज्यादा अंग हैं ! और उनकी मदद से इसके लिए तेज कलाबाजियां खाना ज्यादा आसान है !
और वैसे भी ये जब चाहे तब नए अंग बना लेता है !
अगर मैं इसको ऐसा करने से रोक सकूं तो शायद...
आऽऽऽह !
यस ! मैं ऐसा कर सकता हूं !

तड़ाक
यह तय हो गया था कि कोई भी रूप की नकल तो कर सकता है -
पर दिमाग की नहीं-
नागराज के लिए मुकाबला और भी विकट था! क्योंकि उसके रूप में शक्ति के साथ-साथ नागशक्ति भी मौजूद थी-

नागराज जो भी वार कर रहा था-
वे उसको खुद भी झेलने पड़ रहे थे-
बड़ाम
आऽऽऽह! मैं जो भी वार करता हूं ये वही वार पलटकर मेरे ऊपर कर देता है!
लेकिन मेरी एक शक्ति ऐसी है जिसकी नकल ये चाहकर भी नहीं कर सकता!
इच्छाधारी शक्ति!
अब पलड़ा नागराज का भारी था-

नागराज जीत गया था-
लेकिन अभी भी लड़ाई का अंत बहुत दूर था-
ओह! ये तो रुकते ही नहीं हैं! क्या है इनकी शक्ति का राज?
स्वयनप्राइज?
मजाक छोड़ डोगा! वो तो हम भी खाते हैं!
ध्रुव!
ये प्राणी जैविक पदार्थों का नहीं, बल्कि लिविंग मेटल का बना हुआ है! और उसके अंग ऑक्सिडाइज होकर यानी हवा में मौजूद ऑक्सीजन के साथ संयोग करके विकसित करते हैं!
इसको नष्ट कर पाना असंभव है! क्योंकि ये एक कण से भी एक इमारत जितना विकसित हो सकता है!
ये आवाज!
अरे, स्टील तुम!
हां, ध्रुव! मैंने लड़ाई के दौरान इस प्राणी का थीटारे-स्कैन किया है! स्कैनर छोटा होने के कारण समय ज्यादा लग गया पर रिजल्ट आश्चर्यजनक आए हैं!
तब तो इनको मारना और भी आसान है, स्टील!
वो कैसे?
अब इनको हमारी मोटर साइकलें मारेंगी!
तुम पागल हो गए हो ध्रुव!

बिलकुल नहीं स्टील!
नागराज, डोगा!
रास्ता छोड़ो!
मोटरसाइकलें टकराकर धू-धू करके जल उठीं-
ढ़ाम
अब इन पर टूट पड़ो!
अरे वाह! अब तो इनसे निपटना एकदम आसान हो गया है!
ये चमत्कार कैसे हो गया?
इस आग की वजह से!
आग जब जलती है तो ऑक्सीजन बहुत ज्यादा खींचती है! अब इन प्राणियों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही है!
और ये कमजोर होते जा रहे हैं!

अब इससे पहले कि हम पर और कोई हमला हो, हमको हमलावर को ढूंढ निकालना है!
ये जीव इधर से ही आया था! यानी हम पर हमला करने वाला भी इन पाइपों के बीच में ही छुपा हुआ है!
जल्दी ही-
ओहो! तो ये है मुसीबत की जड़!
अरे!
जीत की खुशी में ब्रह्मांड रक्षक ये भूल गए थे कि उनमें से हर एक के शरीर पर धातु की कोई न कोई वस्तु थी-
और शिंक-रे में धातु को सिकोड़ने की अद्भुत शक्ति थी-

दूसरी तरफ-
ये कैसे प्राणी हैं, विषांक?
पता नहीं! पर लगता है कि किसी साइंस फिक्शन फिल्म से सीधे निकलकर यहां पर आ गए हैं!
ये जरूर इस गुफा के रक्षक होंगे!
और इनसे बचकर यहां से निकल पाना आसान नहीं होगा ssss
आ sssss
अरे, इन्होंने तो हमला करने के बाद हमारी तरफ देखा तक नहीं! ये तो हमसे दूर जा रहे हैं!
झमा को भी कुछ ऐसा ही आभास हो रहा था-
विषांक अभी चीखा था! वह किसी खतरे में है!
झमा की तरफ! अभी उधर से झमा ने हमको आवाज दी थी!
ओह! यानी झमा की जान खतरे में है!
और उसको झमा नहीं, फ्लेमिना ही बचा सकती है!
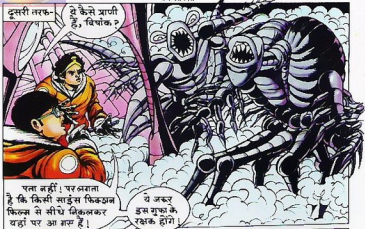
लेकिन इससे पहले कि फ्लेमिना विषांक और सिल्लू तक पहुंच पाती कोई और उस तक पहुंच गया था-
अरे!
तुम दोनों जो भी हो, लेकिन फ्लेमिना से टकराओगे तो खाक में बदल जाओगे!
खिर्र-खिर्र खिर्र...
आऽऽऽह!
हैं!
मेरी आग का इन पर कोई असर नहीं हुआ!
फ... क्यं!?

क्योंकि ये खास मेटल के बने हुए हैं और वह ऊष्मा की सबसे अच्छी सुचालक है! बेस्ट कंडक्टर!
देखो, तुम्हारी सारी एनर्जी इनके पार होकर जमीन में समा गई है! बगैर इनको कोई नुकसान पहुँचाए!
यानी मेरी हीट पावर इन पर बेअसर है!
फिर मैं इनसे कैसे लड़ूंगी?
इनसे हम लड़ेंगे! पर एक शर्त पर! तुम पहले ये मान लो कि तुम ही शमा हो!
जब मैं हूं ही नहीं तो मैं ये कैसे मान लूं?
तो फिर हम शमा को ढूंढकर अभी वापस आते हैं! तब तक तुम इनसे अपनी जान बचाने की कोशिश करती रहो!
अरे नहीं! मुझे छोड़कर मत जाओ!
मैं मानती हूं कि मैं ही शमा हूं विषांक और सिल्लू!

ठीक है, जब तुमने मान ही लिया है तो हमें शमा को बचाने जाने की कोई जरूरत नहीं है!
हुम! यानी तुमने भी यह मान लिया है कि छोटा नागराज और साइबो वास्तव में विषांक और सिल्लू हैं!
हांई!
ये हम क्या कर गए, गुरू?
ऐसा है ही नहीं!
ऐसा हमने कब माना?
अभी! जब मैंने तुम दोनों को सिल्लू और विषांक कहकर पुकारा और तुमने मुझे जवाब दिया!
ही ही ही! लड़की तेज है!
हमें ही उल्लू बना दिया!
उल्लू तो तुम दोनों हो ही...
... वर्ना खी खी करने के बजाय मुझे बचा रहे होते!
ये मुझको अपने अंदर बंद करने की कोशिश कर रहे हैं!
तुम बक बक बंद करोगी तो मैं कंसन्ट्रेट कर पाऊंगा न!
तुम मुसीबत को जड़ से नहीं, धड़ से उखाड़ फेंकते हो!
ड ढौंट!

इससे पहले कि हम पर कोई और हमला करे, यहां से निकल लो!
मेरा हाथ पकड़ो!
ओ गॉड! ओ गॉड!
क्या हुआ साइनो?
हुआ नहीं है। धीरे-धीरे हो रहा है!
इसके सिर रावण की तरह फिर से पैदा हो रहे हैं!
इस तरह से, जैसे कि कोई शिल्पकार मूर्ति बना रहा हो!
ये तो फिर से चालू हो गया! और ये फ्लेमिना पर ही हमला कर रहा है!
फ्लेमिना! तुम पीछे हट जाओ!
इससे हम दोनों को ही निपटने दो! वैसे भी तुम्हारी शक्तियां इस पर बेअसर हैं!

दो अलग-अलग स्थानों पर दो अलग-अलग घटनाएं घट रही थीं। लेकिन ऐसा लगता था जैसे कि ये दोनों घटनाएं कहीं न कहीं से एक जैसी ही थीं-
आऽऽह! मेरी बेल्ट मेरी आंतों को पीस रही है!
बचने के लिए इच्छाधारी शक्ति भी काम नहीं आएगी! क्योंकि शरीर से संपर्क होने के कारण ये भी इच्छाधारी कणों में बदल जाएगी!
मुझे तो लगता है कि मेरी कुछ पसलियां टूट चुकी हैं!
ईऽऽऽऽ
मेरी कलाईयों का भी यही हाल होने वाला है!
और मैं इनका लॉक भी खोल नहीं पा रहा हूं! लॉक छोटा होकर फंस गया है!
लेकिन जहां पर हमला करने के असंख्य तरीके होते हैं-
वहां पर बचाव के भी अनगिनत रास्ते होते हैं-
नाग शक्ति! मदद करो मेरी!
ईऽऽऽऽ
ध्रुव ने भी एक रास्ता तलाश कर लिया था-
एसिड कैप्सूल इन कड़ों को गला सकते हैं! लेकिन बेल्ट के साथ-साथ इसके खानों के मुंह भी छोटे हो गए हैं!
मेरी उंगली तक इनके अंदर नहीं आ पा रही है! लेकिन कैप्सूल तो निकालना ही पड़ेगा!
एक दूसरा रास्ता है मेरे पास!
जिससे कि, एसिड कैप्सूल अपने आप मेरे हाथ में आ जाएंगे!
आ गए!
अब मुकाबला श्रिंक रे और नाग शक्ति के बीच में था-
एक शक्ति बेल्ट को छोटा कर रही थी और दूसरी उसको बड़ा-

डोगा बुरी तरह से फंसा हुआ था-
आऽऽऽ ह! ये कवच अब तक मुझको दुश्मनों की गोलियों से बचाता आया है! लेकिन मुझे सपने में भी ख्याल नहीं आया था कि एक दिन ये कवच ही मुझे मार डालेगा!
अगर इस कवच में दरार भी होती तो मैं इसे फाड़ डालता। पर इसमें दरार कहां से आएगी?
और इनमें अभी भी इतना बारूद है कि जब छोटा होता कवच इन पर दबाव डालेगा...
आएगी!
मेरी गन छोटी जरूर हो गई है! पर अभी भी इसमें सोलह गोलियां मौजूद हैं!
... तो गोलियां एक साथ फट पड़ेंगी! आऽऽऽह!
... और मैं इस जान लेवा शिकंजे से आजाद हो जाऊंगा!
मेरा शरीर तो जख्मी जरूर होगा, लेकिन ये धमाका कवच में दरार भी डाल देगा...
अब हमारे बदन पर धातु की कोई भी चीज नहीं है!
तो तुम अब ऐसा मानना शुरू कर दो कि तुम्हारे बदन में एक भी हड्डी नहीं है!
क्योंकि अब हम तुमको तभी छोड़ेंगे जब तुम्हारी हड्डियां चूरे में बदल चुकी होंगी!
मैं फंस गया! अब अगर जल्दी ही कुछ न हुआ तो मेरे साथ-साथ लाखों जानें चली जाएंगी!
ओह!

हर तरफ एक ही सवाल था-
जान बचाने का-
मेरी शक्तियां भी इन पर बेअसर हैं! काश ये हीट के इतने अच्छे सुचालक न होते तो मैं इनको गला देती!
सुनो! एक प्लान है मेरे पास!
पर उसके लिए सबको मदद करनी होगी, और टाइमिंग भी परफेक्ट होनी चाहिए!
हो जाएगी! प्लान बताओ!
और फिर-
ओह! एक तो इनकी धातु बहुत सख्त है और दूसरे ये मेरे वारों को महसूस ही नहीं कर रहे हैं!
ये लगते तो रोबोट ही हैं! पर अगर ऐसा है तो ये इतने सजीव कैसे लग रहे हैं?
"कि बगैर मुझे पार किए तुम फ्लेमिना तक नहीं पहुंच सकते-"
संदेश स्पष्ट था-
यही मौका है! बस मेरा निशाना न चूके!

निशाना नहीं चूका-
और उस किक के साथ-
उन प्राणियों के भारी बदन हवा में उठ गए -
विषांक का निशाना भी नहीं चूका था-
हमने इन खतरनाक प्राणियों को गला दिया! कमाल हो गया!
इस कारण से तुम्हारी हीट एनर्जी इन्हीं के अंदर रह गई और इनको पिघला...
...फ्लेमिना!
और न ही फ्लेमिना का-
कमाल तो होना ही था! हवा में होने के कारण इनका संपर्क जमीन या दीवारों से नहीं था!
और इनके पास तुम्हारी हीट को कहीं और पहुंचा सकने का रास्ता भी नहीं था!
ओह! ये धुंध मुझे क्यों घेर रही है?
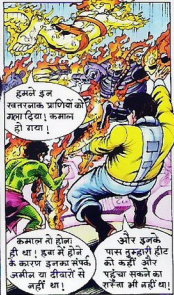
फ्लेमिना!
धुंध जितनी तेजी से आई थी, उतनी ही तेजी से सिमटती चली गई-
और धुंध के साथ-साथ-
फ्लेमिना गायब हो गई! पर कहाँ?
अब हम अपने साथियों को क्या बताएंगे?
सच बताएंगे तो कोई यकीन नहीं करेगा! बच्चों पर कोई यकीन नहीं करता!
फिर हम क्या करें?
पहले तो यहां से बाहर निकलना है! अगर यहां पर हमको ढूंढता हुआ कोई आ गया तो सब गड़बड़ हो जाएगी!
पर बाहर जाकर हम कहेंगे क्या?
यही कि...
...हमने शमा को बहुत ढूंढा सर!
लेकिन वह कहीं नहीं मिली!
व्हाट! अब हम उसके फादर को क्या जवाब देंगे?
इन पहाड़ों में किसी को भी ढूंढ पाना असंभव है!

कृष्णा! सर्च पार्टी को बुलाओ! तुरंत!
और तुम सब अपने-अपने बैग्स पैक करो! तुम सभी वापस जा रहे हो! तुरंत!
लेकिन...
आप तो इनके टीचर हैं! क्या आपको इनकी जान की कोई परवाह नहीं है! रुक के पीछे सबकी जान खतरे में डालेंगे क्या?
न... नहीं, नहीं! रुको दोस्तों! एक्सपर्ट की राय माननी चाहिए!
क्या हम सचमुच बिना शमा को लिए वापस जाएंगे गुरू?
हम कुछ नहीं कर सकते! हमने कोशिश कर ली! अब एक्सपर्ट्स को भी कोशिश कर लेने दो!
सेज यू से, गुरू!
हम वापस जा रहे हैं...
...महानगर-
आऽऽऽऽह!
बस करो डोगा! हम इसे मारना नहीं चाहते!
इससे सच जानना चाहते हैं!
अभी तो मैंने इसकी तीन हड्डियां ही टूटने की आवाज सुनी है! दो तीन और टूटने दो! फिर ये नॉन-स्टॉप सच बोलेगा!

बोल! कहां से मिली तुझे ये पिस्तौल? तू कौन है?
फ्लेमिंगा
आऽऽऽह!
शिंक गन चमक रही है!
यानी... यानी मेरा काम हो गया है! मुझे ऊर्जा मिल रही है!
अब देखना यह है कि इसमें इतनी ऊर्जा है या नहीं जो...
...इंसानों को भी शिंक कर सके!
और अगर इसने इंसानों को शिंक कर दिया तो मेरा अभियान पूरा होने का रास्ता साफ हो जाएगा!
क्योंकि इंसानी शरीर में 70 प्रतिशत पानी होता है!
इस रहस्यमय शख्स का आखिरी निशाना पानी ही था-

और उस पर हमला करने का उसका रास्ता साफ हो चुका था-
आऽऽऽह!
ओऽऽऽह!
ईऽऽऽऽऽऽ
हा हा हा! मेरा प्रयोग सफल हो गया! अब मुझे अपने अभियान को पूरा करने से कोई रोक नहीं सकता!
कोई भी नहीं!
कोई भी नहीं?
रजमा गायब हो गई? पर कैसे?
क्योंकि ये दोनों झूठ बोल रहे हैं!
मैं सांउटेनियरिंग पार्टी का चीफ, इंस्ट्रक्टर चुन तोगले हूं, मिस्टर कैलाश!
पता नहीं अंकल! बस एक धुंध सी आई, और उसको खींच ले गई!
लेकिन उसी को क्यों ले गई? तुम लोगों को क्यों नहीं ले गई?
आ... आपने मेरी बेटी को ढूंढ निकाला या नहीं?
मुझे दुःख के साथ 'नहीं' कहना पड़ रहा है!

इन लड़कों ने मुझे बताया था कि आपकी बेटी जहां पर गुम हुई थी वहां पर मशीन्स का अद्भुत जाल था!

लेकिन इनकी बताई जगह पर बड़ी मुश्किल से उतरने के बाद हमको वहां पर सिर्फ एक सुरंग मिली! बर्फीली सुरंग!

मशीनों का कहीं कोई नामोनिशान नहीं था!

और न ही आपकी बेटी का!

...सफेद झूठ बोला था!

लेकिन... लेकिन ऐसा कैसे हो सकता है! हमने तो...

कोई बात नहीं! बच्चों को कभी-कभी भ्रम हो जाता है!

पर आप मेरी बेटी की तलाश जारी रखिए!

धन्यवाद!

जरूर! अब मैं चलता हूं!

अंकल, हम झूठ नहीं बोल रहे हैं!

वो सब छोड़ो! ये बताओ कि हमला शमा पर ही क्यों हुआ?

वो... वो, अंकल...

तुम जानते हो कि शमा आम बच्ची नहीं है?

यस, अंकल!

यानी तुम जानते हो कि...

...शमा, फ्लेमिना है!

ओ गॉड!

यानी उसने वहां पर अपनी शक्तियों का प्रयोग किया था! और इसी कारण उसी पर हमला हुआ!

शमा किसी बड़ी मुसीबत में है! हमें नागराज की मदद लेनी होगी!

लेकिन नागराज तो कल से घर आए ही नहीं!

ओ गॉड! एक और मुसीबत!

अब मुझे ही कुछ करना होगा!

पर सवाल ये है कि फ्लेमिना इस वक्त कहां पर है?

फ्लेमिना और नागराज इस वक्त साथ में ही थे-
एक अत्यंत रहस्यमय और गुप्त स्थान पर-
हा हा हा! अब मेरे पास ऊर्जा का स्रोत भी है और मेरा रास्ता रोक सकने वाले भी मेरे रास्ते से हट चुके हैं!
ये ब्रह्मांड रक्षक मेरे लिए वह इनाम है जो मुझे काम पूरा करने से पहले ही मिल चुका है!
लेकिन मेरा असली प्राइज तो तू है लड़की! क्योंकि तुझमें ही मुझे ऊर्जा का वह भंडार मिला है, जिसकी मदद से मैं अपना अभियान पूरा कर सकूंगा!
धरती वालों, प्यास से मरने के लिए तैयार हो जाओ!

पृथ्वी का जीवन खतरे में था! और किसी को उसका आभास तक नहीं था-
शमा खतरे में है यार, और तुम हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हो?
ध्यान लगाने के लिए हाथ पर हाथ धरकर ही बैठना पड़ता है, गुरू!
मैं शमा से मानसिक संपर्क बनाने की कोशिश करने जा रहा हूं!
क्योंकि पृथ्वी को खत्म करने की शुरुआत हो चुकी थी-
शमा को जल्दी से जल्दी ढूंढना बहुत जरूरी था-
वाऊssss
राफ्टिंग जितनी खतरनाक होती है, उतनी ही रोमांचक भी होती है!
सुपर एक्साईटिंग!
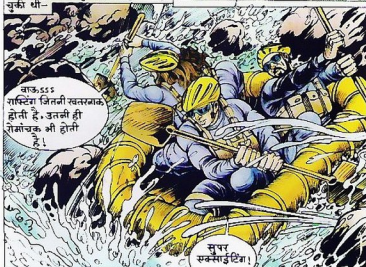
हम रुक क्यों गए हैं? क्या हम किसी चट्टान में फंस गए हैं?
चट्टानों में ही फंस गए हैं, दोस्तों!
क्योंकि धारा पूरी तरह से सूख चुकी है! चट्टानों तक पर गीलेपन का कोई निशान नहीं है!
लेकिन एकाएक ऐसा कैसे हो सकता है! ये तो... असंभव है!
असंभव को संभव बनाने के लिए ही तो गोरू यहां पर आया है! इस धारा का पानी अब इस ड्रापर के अंदर है! पानी श्रिंक होकर दो बूंदों में सिमट गया है!

लेकिन मैं भी रेजगारी क्यों बटोर रहा हूं! धन का भंडार तो कहीं और है! और वह है पृथ्वी के महासागर!
पहाड़ी झरनों के एकाएक सूखने का असर जल्दी ही पानी की मुख्य स्रोत नदियों पर भी दिखने लगा—
और पानी के लिए नदियों पर निर्भर रहने वाले इंसानों पर भी—
इस समय तो पानी आता था! पर आज नल सूखे क्यों पड़े हुए हैं?
पता नहीं यह सच है या अफवाह!
लेकिन मैंने सुना है कि हिमालय के पहाड़ी झरने एकाएक सूख गए हैं!
अब पानी के कारण खून बहने की नौबत आ गई थी—
हट! पहले मेरी बाल्टी लगेगी!
तेरे बाप का राज है क्या?
स्थिति तेजी से बिगड़ती जा रही थी—

और यह अब बद से बदतर होने वाली थी-
मिल गई!
हैं!
क्या मिल गया, चेले?
फ्लेमिना का पता मिल गया है, गुरू!
सच! कहाँ है वह?
वह इस महानगर से सैकड़ों किलोमीटर की दूरी पर है! लेकिन वह महानगर की तरफ ही बढ़ रही है।
बढ़ रही है! पर कैसे? उड़ते हुए?
यस! शायद वह हिमालय से किसी तरह आजाद होकर हमारे पास ही आ रही है! खतरा टल गया है!
यस!
चलो, हम उससे सबसे पहले मिलने के लिए एक बढ़िया सी जगह ढूंढते हैं!
महानगर की सबसे ऊंची इमारत की छत!
जहां हम फ्लेमिना का स्वागत छोटा नागराज और भाड़ब्रो के रूप में ही करेंगे!
और जल्दी ही-
उत्तर उस दिशा में है! फ्लेमिना उधर से ही आएगी!
मुझे उधर से कुछ आता दिख तो रहा है!
लेकिन ये तो फ्लेमिना के साइज की चीज़ नहीं है!
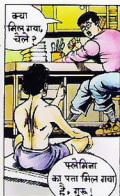
ये तो... ये तो...
ये... ये क्या चीज है, चेले?
पता नहीं, गुरू! लेकिन इसके इरादे खतरनाक लगते हैं! इसने ही फ्लेमिना का अपहरण किया है!
ये जरूर फ्लेमिना की शक्तियों का दुरुपयोग करना चाहता है!
हमें इसको रोकना होगा! यहीं पर!

पर कैसे? जितनी देर में तुमने तीन डायलॉग मारे, उतनी देर में तो वह कई किलोमीटर दूर पहुंच चुका है! उसे रोकने के लिए हम उस तक पहुंचेंगे कैसे?
वह चाहे जितनी दूर और जितनी भी तेजी से उड़ ले...
"... लेकिन वह बिजली से तेज नहीं भाग सकता-"
आऽऽऽह!

ओऽऽऽह! मैंने इसकी उम्मीद नहीं की थी!
कहीं फ्लेमिना को चोट न लग गई हो!
जल्दी आओ
रुक, हफ... चेले! मैं तेरी स्पीड को मैच नहीं कर सकता!
आऊ!
अरे, रास्ता दे!
रास्ता तुझे दे दूंगी तो मैं किस पर चलकर भागूंगी?
सही भाग रहे हैं! इस गड्ढे से तो बड़ी-बड़ी चट्टानें उछल-कर बाहर आ रही हैं!
ये लोग इधर-उधर भाग क्यों रहे हैं?
जहां पर फ्लेमिना गिरी है, ये लोग उसी दिशा से भाग रहे हैं!
यानी इनके पीछे-पीछे...

फ्लेमिना को कैद करने वाला वह प्राणी भी अब बाहर आता ही होगा...
...आ गया! अब ये कुछ ही सेकेंड्स में हमसे कई किलोमीटर दूर भाग जाएगा! अब इसे कैसे रोकोगे?
रोकना तो पड़ेगा ही, साइको!
और ये रुकेगा! बगैर फ्लेमिना को आजाद किए ये यहाँ से जा नहीं सकता।

आऽऽऽ ह! ब्रह्मांड रक्षकों को तो मैंने शिंक्र करके अपनी लैब में पहुंचा दिया है! अब उनके बाद यहां पर मुझे रोकने वाला ऐसा कौन पैदा हो गया जो बिल्डिंगों को भी झुका दे!
पर...पर ये है क्या चीज? और फ्लेमिना को कैद करके ये अपना कौन सा मकसद पूरा करना चाहता है?
न तो इसका मकसद मामूली है और न ही इसकी शक्तियां।
वर्ना न तो ब्रह्मांड रक्षक इसका रास्ता रोकने की कोशिश करते और न ही वे उनसे जीत पाता।
ये फ्लेमिना को साथ लेकर घूम रहा है! और इसका सिर्फ एक ही कारण हो सकता है!
वो क्या?
ये फ्लेमिना का इस्तेमाल बैटरी की तरह कर रहा है! फ्लेमिना से इसको अपना यंत्र चलवाने के लिए ऊर्जा मिल रही है!
लेकिन इस यंत्र से ये क्या करना चाहता है?
तुमने सुना छोटा नागराज? नागराज को इसी ने गायब किया है! शिंक करके!
हां! और उसके साथ दूसरे ब्रह्मांड रक्षकों को भी! अब इसको हमें ही रोकना है!
जवाब जल्दी ही मिलने वाला था-

ओ गॉड, ओ गॉड! इसने पच्चीस मंजिल वाली स्काई स्क्रैपर्स को जूते का डिब्बा बना दिया!
अब इसके भागने का रास्ता साफ है!
रास्ता साफ नहीं है! इसके रास्ते में छोटा नागराज खड़ा है!
पर तुम उस तक पहुँचोगे कैसे?
ऐसे!
और-

ओह! तो तू है वह नन्ही मुन्ही आफत!
तू तो पहले से ही ठिंक हुआ पड़ा है!
अब ठिंक होने की बारी तुम्हारी है!
बस जरा सा प्रेशर डालने की जरूरत है!
ऐसे!
कड़ाक कक क
ढुँ
शाबाश चेले! फ्लेमिना आजाद हो रही है!

फ्लेमिना, भागो!
मैं कोशिश तो कर रही हूं! लेकिन इससे छूट नहीं पा रही हूं!
आ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
हेलमेट अपने आप जुड़ गया!
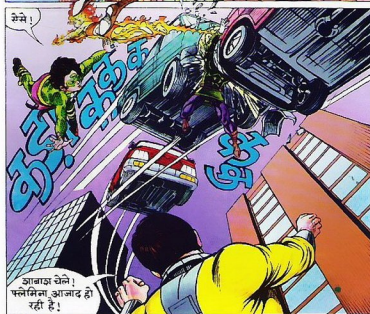
तू मेरे ऊर्जा-स्रोत को मुझसे अलग नहीं कर सकता, लड़के! और न ही तू मेरा रास्ता रोक सकता है!
मेरी तुझ पर शिकंरे का इस्तेमाल करने की तो बहुत इच्छा है, लेकिन मैं उसे व्यर्थ नहीं करना चाहता!
इसीलिए मैं तेरे लिए बर्थ-ट्री छोड़कर जा रहा हूं!
ये तो तुझे अभी पता चल जाएगा!
तुम इस छोटे से गोले को ट्री कह रहे हो?
बर्थ-ट्री?
मैं तेरे पीछे... ओह!
ओ गॉड!
मैं यहां पर ये नजारा देखने के लिए रुकूंगा नहीं...
बचो, छोटा नागराज!
ये तो मुसीबत की सिर्फ शुरुआत थी-

और ये मुसीबत श्रिंक हो चुके ब्रह्मांड रक्षकों के लिए और भी बड़ी हो गई थी-
हमको इस कैद से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढना ही होगा, दोस्तों!
पर कैसे? इस समय तो मेरे अंदर इतनी भी ताकत नहीं है कि मैं एक धागा तोड़ सकूं!
मेरे पास बेल्ट भी नहीं है! वर्ना उसमें ऐसी कोई न कोई चीज जरूर मिल जाती जो हमारी मदद कर सकती!
हमको जानबूझकर किसी ऐसे लिक्विड में कैद किया गया है जो हमको अद्भुत तरह से जिन्दा तो रखे हुए है मगर हमारी शक्ति सोखकर हमें कमजोर भी कर रहा है!
अगर हम इस पाइप के ऊपर तक पहुंच सके तो वहां से कई दूसरे पाइपों का रास्ता खुल रहा है! वहां से हम बाहर जाने का रास्ता ढूंढ सकते हैं!
तुम तो दीवारों पर चिपककर चढ़ सकते हो, नागराज!
तुम ऊपर तक पहुंचने की कोशिश करो!

मैं कोशिश कर चुका हूं स्टील! ये द्रव अत्यधिक चिकना है और इस पाइप की दीवारों पर इसी का लेप है! मैं दीवारों पर अपनी पकड़ नहीं बना सकता।
ऊपर तक पहुंचने का एक और तरीका है। और उसमें ये लिक्विड ही हमारी मदद करेगा, जो हमको कमजोर बना रहा है!
पर, उसमें हम तीनों को अपना-अपना योगदान देना होगा!
प्लान तो बको!
प्लान सुनते ही-
स्टील ज्यादा ही भारी है।
स्टील क्यों नहीं?
नहीं! मैं... मैं ऐसा नहीं कर सकता! मैं दस-दस गुंडों से एक साथ लड़ सकता हूं, पर... पर ये मुझसे नहीं होगा!
ओ कम ऑन, डोगा!
मैंने कहा न कि मुझे चक्कर बहुत जल्दी आते हैं! मैं तुम्हें देख लूंगा ध्रुव!
विज्ञान का सीधा सा सिद्धान्त है-
थोड़ी देर बाद एक नहीं, चार-चार ध्रुव दिखेंगे!
सबको एक साथ देख लेना!

किसी भी द्रव के गोल घुमाने से भंवर पैदा होती है, जिसके कारण द्रव बीच से दबता जाता है और उसके किनारे ऊपर उठते जाते हैं–
ओफ़! पाइप का छोर अभी भी दूर है! द्रव में इससे ज्यादा भंवर पैदा नहीं हो सकता!
ये मौका दुबारा नहीं मिलेगा! मुझे कुछ और करना होगा!
द्रव में पैदा हुई घुमावदार ऊर्जा 'सेंट्री फ्यूगल फोर्स' का इस्तेमाल करना होगा!
आऽऽऽह! बस अब मेरा हाथ न फिसल जाए!
लाओ, नागराज! सांप रस्सी को मेरी तरफ छोड़ो!
और इस वक्त ऊपर उठते किनारों की सवारी पर ध्रुव सवार था–

कुछ ही पलों के बाद ब्रह्मांड रक्षकों ने बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ लिया था-
लेकिन ये रास्ता मौत की तरफ जाता था-
सच कहा जाए तो इस वक्त अधिकतर रास्ते मौत की तरफ जाते थे-
ओह! तो ये है, बर्थ ट्री! इसमें से हर फल कई फल उग रहे हैं और उनके अंदर से घातक प्राणी पैदा होकर निकल रहे हैं!
इनकी तादाद तो मक्खियों जैसी है!
इनसे हम कैसे निपटेंगे?

मक्खी बलकर!
ओ गुडनेस! अनेक छोटा नागराज! और वह भी मक्खी जैसे रूप में!
तुम्हारी शक्तियों का कोई अंत है भी या नहीं?
पता नहीं! जैसे ही कोई नई मुसीबत मेरे सामने आती है, मेरे अंदर कोई नई शक्ति जाग्रत हो जाती है!
और वह मार्गदर्शक शक्ति मुझे यह बता रही है कि इस रूप में मैं ज्यादा दक्षता से उड़कर...
...इन मुसीबतों से निपट सकता हूं!
काटना उतना अच्छा आइडिया नहीं है!
उखाड़ना और जलाना ज्यादा स्ट्रैटेजिव आइडिया लग रहे हैं!
गुड! और मैं इस मुसीबत को जड़ से काटने का उपाय सोचता हूं!

अरे! ये तो ऐसे ही हुआ जैसे कि कोई माचिस की तीली से पेड़ जलाने की कोशिश करे!
अब तो... ...आऽऽऽह!
ये बर्थ ट्री तो नाराज हो गया।
हमारी लड़ाई भी अभी तक बराबर की है, साइब्रो!
तो फिर...
अरे! बर्थ ट्री को क्या हो रहा है?
इसके तने से आप उठ रही है! जैसे कि ये गर्म हो रहा हो!
ये... ये तो अपने आप गल रहा है! पर कैसे?
लेकिन अब धीरे-धीरे इनकी तादाद बढ़ रही है! ये प्राणी मुझ पर हावी हो रहे हैं!
फ्लेमिना के अलावा इतनी गर्मी भला कौन पैदा कर सकता है?

❂ विस्तार से जानने के लिए पढ़ें—लावा और विनाशलीला

क्योंकि वह बिन मां की बच्ची बार-बार मेरी गोद में बैठना चाहती थी! मेरे गले लगना चाहती थी! लेकिन उस वक्त मेरा अपने ऊपर कंट्रोल नहीं था! मुझे पता नहीं था कि मैं कब लावा में बदल जाऊंगा!
मैंने एक और एंटीडोट बनाई! पर मेरे बजाए वह शमा ने पी ली! इस उम्मीद में कि एंटीडोट पीकर जब वह मेरे पास आएगी तो मेरी आग उस पर असर नहीं करेगी! पर ऐसा हुआ नहीं!
मेरे पास आते ही वह जल उठी! पर एंटीडोट ने उसको जलने नहीं दिया! अब शमा भी मेरी तरह हो गई थी!
तब मैंने तय किया कि इस बार मैं एक परफैक्ट एंटीडोट बनाऊंगा! और मैंने एंटीडोट बना लिया! उसकी दो खुराक पीने के बाद हम दोनों एकदम ठीक हो जाएंगे!
एक खुराक तो मैं पी चुका हूं! पर दूसरी खुराक पीने से पहले ये मुसीबत आ गई! अब फिलहाल लावा बने रहने में ही हम दोनों की भलाई है!

जब मैंने यहां पर हो रही गड़बड़ के बारे में सुना तो मैंने सोचा कि शायद फ्लेमिना भी यहां पर हो! लेकिन यहां पर तो सिर्फ तुम दोनों थे!
लावा अंकल!
अब क्या हुआ?
ओ गॉड! ये पेड़ तो फिर से खड़ा हो गया! पर कैसे?
ऐसा तो हिमालय की गुफा में हो चुका है! इनके अंदर जरूर किसी खास किस्म की कोडिंग है!
कोडिंग? जैसे कि कंप्यूटर लैंग्वेज की?
एकदम सही!
हिमालय वाले प्राणी तो गल गए थे!
हम तुरंत भाग आए थे! शायद बाद में वे भी उठ खड़े हुए हों!
पर इनके अंदर अगर कोई सॉफ्टवेयर या प्रोग्राम जैसी चीज होती तो वह भी आग से नष्ट हो जाती!
हूं! यह तो सही है! यानी कि इनको प्रोग्रामिंग के सिग्नल कहीं और से मिल रहे हैं!
तब तो काम बन गया! मेरी मेंटल पॉवर, सिग्नल का पीछा करते हुए हमको उस जगह पर पहुंचा सकती है जहां पर मेन कंट्रोल सेंटर है!
शायद वही सेंटर जो हिमालय की गुफा से गायब कर दिया गया!
तो सोचता क्या है चेले? ध्यान लगा और पकड़ सिग्नल बीम को!
साइब्रो का सोचना सही था! मुझे कंट्रोल बीम का पता मिल रहा है!

" अब जल्दी ही हम इसके सोर्स तक पहुंच जाएंगे- "
तारों की प्लास्टिक कवरिंग का इस्तेमाल करने वाले तुम्हारे आइडिए ने हमको गिरती बिजलियों का ये मैदान पार करा दिया ध्रुव !
हमारा छोटा होना भी हमारे काम आता जा रहा है स्टील !
अब हमको दरवाजा खोलने की जरूरत नहीं है! हम दरवाजे के नीचे की खाली जगह से ही निकल सकते हैं!
और आजाद...
...ओ माई गॉड!
हम...हम तो एक ऊंची चट्टान के ऊपर हैं!
इस पहाड़ी से नीचे पहुंचने के लिए सांप रस्सी का प्रयोग किया तो जमीन तक पहुंचने से पहले मेरे सांप ही खत्म हो जाएंगे!
मेरे पास एक और बढ़िया रास्ता है!
और फिर-
कमाल है ध्रुव! आज पहली बार फ्री स्पेयर टिकट का मजा मिला है!
अब ये कबूतर क्या कह रहा है?
ये कुछ अजीब सी बात कह रहा है!
कबूतरों के सिर में मैग्नेटिक तरंगों को भांपने के लिए एक खास अंग होता है! ये कोई ऐसी शक्तिशाली मैग्नेटिक तरंग महसूस कर रहा है जो कहीं दूर से इस जगह तक आ रही है!
जरूर वो कमीना ही ये सब कर रहा है! इस तरंग के दूसरे छोर पर वही होगा!

और महानगर में-
लावा अंकल जल्दी कुछ करो! हमको यहां से कहीं और जाना है! अर्जेंटली!
ठीक है! तब तो मैं इस ट्री को छोड़कर आता हूं!
छोड़कर? पर कहां?
नर्क में!
ओsss
अब बताओ कि कहां चलना है?
इधर चलिए अंकल! अरावली माउंटेन रेंज की तरफ!
वह... वह पेड़ कहां गया?
मैं उसको धरती के गर्भ तक छोड़कर आया हूं! अब वह कभी पनप नहीं पाएगा!

अंकल, छुप जाओ!
पर क्यों?
बाद में पूछना! अभी तो उस बादल की आड़ ले लो!
बाल-बाल बचे!
अरे! ये तो ब्रह्मांड रक्षक हैं! पर ये छोटे कैसे हो गए?
पर तुम इनसे छुपक्यों रहे हो?
ये आपकी कहानी से भी लंबी कहानी है अंकल!
अभी तो हमें उस ऊंची चट्टानी पहाड़ी पर पहुंचना है!
मुझे शमा को ढूंढना है! और शमा यहां पर नहीं है! और अगर वह यहां पर नहीं है तो शायद वहां होगी जहां पर ब्रह्मांड रक्षक जा रहे हैं!
मुझे भी उनके पीछे जाना होगा!
यहां तो एकदम शांति है!
यहां पर कुछ भी नहीं है बच्चों!
जो कुछ भी है वह यहीं पर है अंकल!
यहां पर कुछ होता तो ब्रह्मांड रक्षक यहां से वापस न जा रहे होते!
लेकिन अंकल...
बाय बच्चों! लौटते में मैं तुमको भी लेता जाऊंगा! यहीं रहना!

जब सब यहां से जा रहे हैं तो हम यहां पर क्यों रुके हैं छोटा नागराज?
क्योंकि वे, वह नहीं जानते जो हम जानते हैं! इस गंदे प्राणी को हराने का एक ही तरीका है! इस कंट्रोल सेंटर को नष्ट करने का!
इस दुनिया की आखिरी उम्मीद हम हैं!
एक उम्मीद और थी-
लेकिन फिलहाल कहीं दुनिया पर मंडराने वाला सबसे बड़ा खतरा भी थी-
फ्लेमिना।
ऐसा नहीं हो सकता! मैं पृथ्वी के विनाश का कारण नहीं बन सकती! मुझे अपनी ऊष्मा को रोकना होगा! लेकिन मैं ऐसा नहीं कर पा रही हूं!
देख लड़की! अब तू आजाद होने ही वाली है! मैंने अपनी शिप को हिमालय से हटाकर अरावली की पहाड़ियों पर सुरक्षित शिफ्ट कर दिया है!
अब मैं तेरी शक्ति से पृथ्वी के सभी महासागरों के पानी को श्रिंक करके एक गिलास में भर लूंगा और फिर उसे लेकर अपने ग्रह पर जाऊंगा और उसे तर कर दूंगा!
नहीं कर पा रही हूं मैं ऐसा!
घातक किरण ने पृथ्वी पर जीवन का अंत करने के लिए पहला चरण उठा लिया था-
लेकिन पृथ्वी का जीवन इतनी आसानी से नष्ट होने वाला नहीं था-
ओफ्! ये सीगल का झुंड एकाएक बीच में कहां से आ गया?
मेरी कीमती श्रिंकरे को बेकार कर दिया!

अब मेरी गन में शिंक रे बहुत कम मात्रा में है!
इस बार तो हर हाल में कामयाब होना ही पड़ेगा!
पर... पर अब गन चल क्यों नहीं रही है!
ओह! इस लड़की ने अपने हाथों को एनर्जी को शिंक गन तक पहुंचाने वाली नलियों में फंसा दिया है!
गन को पूरी ऊर्जा नहीं मिल पा रही है!
लेकिन ये लड़की यह नहीं जानती कि जल्दी ही गोले में जमा होती ऊर्जा का दबाव इतना बढ़ जाएगा कि यह उसको सह नहीं पाएगी! इसको हाथ निकालने ही पड़ेंगे!
गलत! मैं नलियों में खिंचकर अपनी जान दे दूंगी! लेकिन पृथ्वी के विनाश का कारण नहीं बनूंगी!
ई ssss
दोनों तरफ से चालें बढ़ती जा रही थीं-
अब मुझे शॉर्टकट अपनाना पड़ेगा! अगर ऊर्जा नलियों के रास्ते मुझ तक नहीं आ पा रही है तो मैं इसे ट्रांसमिशन के रास्ते से मंगाऊंगा! अपनी शिप से मैं तरंगों द्वारा जुड़ा हुआ हूं! ये ऊर्जा अब शिप के जरिए मेरे पास आएगी!
आऽऽऽहा! अब गन में फिर से एनर्जी आ गई है! मैं शिंक रे के एक- दो वार और कर सकता हूं!
अब पानी और मेरे बीच में...

...कोई नहीं आएगा!
अरे! ब्रह्मांड रक्षक आजाद कैसे हो गए?
लगता है मेरा तड़ित-अवरोध तुमको रोक नहीं पाया! लेकिन तुम मच्छर के रूप में मेरा कुछ बिगाड़ नहीं पाओगे!
तुम्हारे मंसूबों पर पानी फेरने के लिए!
ये सच कह रहा है! हमारे वारों में इतना दम नहीं है कि हम इसको रोक सकें!
फिर हम क्या करें? खड़े-खड़े पृथ्वी के खत्म होने का तमाशा देखें? कोई तो रास्ता होगा इसको रोकने का!
धम
अगर हम इसको रोक नहीं पाएंगे तो हमेशा के लिए इसी रूप में रह जाएंगे! ब्रह्मांड रक्षकों का नामो निशान मिट जाएगा!
ब्रह्मांड रक्षक बहादुरी तो दिखा रहे थे, लेकिन फिलहाल वे असहाय थे-
अब सारा दारोमदार 'टीन-हीरोज' पर था-
सही कहा! पर इतनी बड़ी जगह में हम वह कंट्रोल सेंटर कैसे ढूंढेंगे जो कोडिंग को नियंत्रित कर रहा है?
ये तो वही जगह है साइब्रो! ये जरूर किसी किस्म की शिप होगी! वर्ना इतनी लंबी-चौड़ी चीज को इतनी जल्दी एक जगह से दूसरी जगह ले जाना संभव नहीं है!
ये तुम्हारा काम है गुरू! मेरा नहीं! पर एक बार तुम उस जगह का पता लगा लो...
...तो उसे तोड़ना मेरा काम है!

लगता है किस्मत हमारे साथ है चेले! पूरी शिप के सिस्टम 'शट-डाउन' हैं, लेकिन वह हिस्सा जगमगा रहा है!
जरूर वही इस शिप का मेन-कंट्रोल सेंटर है!
किस्मत सचमुच इन दोनों के साथ थी! यह कंट्रोल सेंटर इस कारण चमक रहा था, क्योंकि गोरू इसका प्रयोग फ्लेमिना की ऊर्जा को अपने तक पहुंचाने के लिए कर रहा था-
यही है! हम सही जगह पर पहुंचे हैं! अब बस, इसको फटाफट तोड़ दो!
उससे पहले मैं तुमको तोड़-फोड़ दूंगा!
ये... ये यहां पर! और वह भी चार-चार!
एक कोडिंग से कई सारी एक जैसी वस्तुएं बनाई जा सकती हैं, छोटा नागराज!
ये तो सिर्फ चार हैं! कोडिंग से तो ये चार सौ, चार हज़ार या चार लाख भी बन सकते हैं!

कोई बात नहीं! अगर ये चार या चार हज़ार बन सकता है तो मैं भी हज़ारों रूप बना सकता हूं!
तुम मशीन को तोड़ने की कोशिश करो! मैं इसको रोककर रखता हूं!
आऽऽऽह! मैं अपने और रूप नहीं बना पा रहा हूं!
पर क्यों?
क्योंकि जब तू पिछली बार यहां पर आया था तभी मेरे पॉवर-स्कैनर ने तेरी शक्तियों की स्केलिंग कर ली थी!
और अब उसी ने एक पॉवर फिल्टर बनाया है, तेरी शक्तियों को फिल्टर करने के लिए!
अब यहां पर तेरी सारी शक्तियां फिल्टर हो रही हैं! तेरी कोई भी शक्ति तेरे काम नहीं आएगी!
अब तू ही कुछ कर साइब्रो!
मैं भी क्या करूं? ये मशीन न जाने किस चीज से बनी है! टूटना तो दूर, इस पर तो खरोंच भी नहीं आ रही है!
लेकिन तुझ पर जरूर आएगी!
दुनिया की आखिरी उम्मीद भी टूट रही थी-

और साथ में ब्रह्मांड रक्षकों की हड्डियां भी टूट रही थीं-
इसका पहला वार रोकने के लिए तो मैंने 'सीगल्स' को आगे भेज दिया था! लेकिन अब तो आसपास कुछ भी नजर नहीं आ रहा है!
देखो! हम पर ये पहले ही श्रिंकरे का इस्तेमाल कर चुका है! अब दुबारा हम पर इसका असर नहीं होगा, और होगा भी तो मिनिमम न्यूनतम!
आखिर हम कितने छोटे होंगे?
यस ध्रुव! आसपास एक चीज है, और वह हैं...
हम चारों!
हम चारों! यस! दिस इज ए गुड आइडिया!
कैसा आइडिया? देख, इस बार मुझे चक्कर कटास तो...
इतने छोटे भी कम हैं क्या? खैर प्लान क्या है?
सिम्पल सा प्लान है! श्रिंक रे को गन से बाहर निकलने से रोकना है!
ऐसे! इसकी गन की नलियों को जाम करके!
इनके स्पर्श से तो जैसे हजारों बोल्ट का करेंट लग रहा है!
आऽऽऽ ह! ये सही कह रहे हैं! श्रिंकरे इनको और छोटा तो कर सकती है, लेकिन वह प्रोसेस बहुत स्लो है! धीमा है! उससे पहले तो मेरा यंत्र ही फट जाएगा!
मुझे जल्दी ही अपना मकसद पूरा करना होगा!
और थोड़ी बहुत किरणें फिर भी बाहर निकल ही रही हैं!
लेकिन इनकी मात्रा बहुत कम है। और ये दिशाहीन भी हैं! अब जल्दी ही ये पूरा यंत्र बैकफ़ाँक की वजह से अपने आप ही टूट जाएगा!
और ऐसा कर पाने का अब एक ही रास्ता है!

और कुछ ही पल दूर था-

जल्दी करो साइब्रो! अगर सिस्टम टूट नहीं रहा तो सिस्टम में कोई प्रोग्राम डाल-कर उसे क्रैश करवा दो!

मैं वही तो कर रहा हूं! लेकिन ये प्रोग्रामिंग बिल्कुल अलग है!

जैसे कि किसी दूसरे ग्रह की हो! मैं समझ ही नहीं पा रहा हूं!

इसे समझने के लिए मुझे थोड़ा और वक्त चाहिए!

तब तक मैं इनको कैसे रोकूं? इनका पॉवर फिल्टर तो मेरी शक्तियों को फिल्टर कर रहा है!

क्योंकि वह उनको स्कैन कर चुका है!

ओह! मेरी वही शक्तियां स्कैन हुई होंगी जिनका मैं प्रयोग कर चुका हूं!

अगर मैं कोई नई शक्ति जाग्रत कर लूं तो पॉवर फिल्टर उसको रोक नहीं पाएगा!

मुझे सोचना होगा! मुझे कंसंट्रेट करना होगा!
और फिर मेरा दिमाग अपने आप मेरे अंदर छुपी उस शक्ति को ढूंढ़कर उसे एक्टिवेट कर देगा!
और फिर-
ईsss
ये क्या है?
एक नई पॉवर!
ये बच्चा है या पॉवर हाउस?
घबराओ मत! टिके रहो!
जल्दी ही पॉवर फिल्टर इस पॉवर की भी काट बनाकर इसको भी फिल्टर कर देगा!
वाऊ! आज...आज पहली बार मेरी नागशक्तियां जाग्रत हुई हैं!
और वह भी ऐन वक्त पर!
साइब्रो! इससे पहले कि मेरी ये शक्ति भी चली जाए, अपना काम कर लो!
मैं... मैं इस प्रोग्रामिंग की बेसिक लैंग्वेज को समझ गया हूं छोटा नागराज! अब बस मुझे इसका एंटी-प्रोग्राम लिखने के लिए समय चाहिए!

साइब्रो की उंगलियाँ उतनी तेजी से कमांड्स पर नहीं चल पा रही थीं-
और पॉवर फिल्टर छोटा नागराज की शक्तियों को क्षीण करता जा रहा था-
ईया ऽऽऽऽ
ये कमजोर पड़ रहा है। इसकी एक दुम गायब हो चुकी है। जल्दी ही इसकी पूरी शक्ति चली जाएगी!
सब मिलकर टूट पड़ो इस पर!
ह्रिंया ऽऽऽऽ
आईऽऽऽ
अरे! ये सब कहाँ गायब हो गए?
ये सभी रूप कंट्रोल सेंटर से संचालित हो रहे थे!
यानी...यानी...
यानी कंट्रोल सेंटर को मैंने ठप्प कर दिया है।
मैंने इसका एंटी प्रोग्राम लिखकर इसमें लोड कर दिया है।
शाबाश, गुरू! यानी हमने इस मुसीबत का अंत कर दिया है।

क्या सचमुच ऐसा हो गया था-
मेरा हेलमेट टूट रहा है! पर कैसे?
शायद कंट्रोल सेंटर में खराबी आ गई है! पर मेरा काम हो चुका है!

हो चुका है!
क्योंकि मुझे लटकाने वाली नागरस्सी टूट चुकी है!

पानी का संपर्क, यंत्र में अभी तक मौजूद शिकं रे से हो चुका था-

और अरबों क्यूबिक टन पानी तेजी से सिमटने लगा था-
अब पृथ्वी का लगभग सारा जल-

उस छोटे से गिलास में कैद था-

याऽऽऽऽ हू!
मेरा अभियान सफल हो गया है!

इतनी जल्दी नहीं, शैतान...
...तुम ठीक तो हो न, बेटी!
मैं ऐसा नहीं होने दूंगा, बेटी!
अभी तेरे पापा के अंदर इतनी गर्मी मौजूद है...
पता नहीं पापा! सिर घूम रहा है! इसने मेरी पूरी शक्ति चूसकर मुझे पृथ्वी पर जीवन के अंत का कारण बना दिया है!
...जो इस गिलास में मौजूद पृथ्वी के संपूर्ण जल को...
...बादल बनाकर फिर से धरती पर बरसा दे!
आऽऽऽह!
जितनी तेजी से पानी श्रिंक हुआ था, उतनी ही तेजी से पानी फैलने लगा-

और शिंक रे का असर खत्म होने लगा–
भागो, गुरू! सारी मशीनें टूट रही हैं! शायद अब इनमें ऊर्जा को संभालने की क्षमता नहीं है!
शिंक रे का अस्तित्त्व भी मिटने लगा–
हम सभी में से ऊर्जा का फव्वारा बाहर फूट रहा है!
हम अपने सामान्य आकार में वापस आ रहे हैं!
मशीनों के खत्म होते ही–
और यह सब संभव हुआ है लावा की मदद से!
लेकिन हम बर्बाद हो गए हैं! अब मेरे ग्रह का एक भी प्राणी जीवित नहीं बचेगा! गुराची प्रजाति ब्रह्मांड से नष्ट हो जाएगी!
तुम ठीक तो हो न, लावा?
आऽऽऽह! अब मैं सिर्फ कलावा हूं! मेरी सारी ऊर्जा पानी को भाप बनाने में खर्च होगई है! अब मैं और मेरी बेटी सामान्य इंसान बन गए हैं!
प्रजाति? ग्रह? तुम आखिर हो कौन?
एक सुदूर ग्रह गोचाल का प्राणी! हमारे ग्रह का जल धीरे-धीरे लुप्त हो गया! हम जल के अभाव में मरने लगे!
तब हमने अपनी खोज शुरू की और पृथ्वी नाम के जलयुक्त ग्रह को ढूंढ लिया! पर समस्या थी कि इतना सारा जल एक ग्रह से दूसरे ग्रह पर कैसे ले जाया जाए! तब मैंने दिन रात मेहनत करके इस शिंक रे का आविष्कार किया!

लेकिन अब सब खत्म हो गया है। मेरे हाथ पानी की एक बूंद भी नहीं लगी! मेरी शिप में अब सिर्फ वापस जाने लायक ईंधन है। पर वापस मैं कौन सा मुंह लेकर जाऊंगा ?
और क्यों जाऊंगा ? वापस जाकर लाखों गुराचियों को मृत देखने के लिए?
इससे तो अच्छा है कि तुम ब्रह्मांड रक्षक मेरा अभी और यहीं पर अंत कर दो!
बड़े शौक से! बस थोड़ा सा दर्द होगा!
रुको डोगा! ये अपराधी नहीं है! इसने ये सब...
हां, रुको! मेरे दिमाग में एक बात आ रही है!
मेरे ग्रह का केंद्र पृथ्वी की तरह गर्म नहीं है। ठंडा है! पानी धीरे-धीरे उसमें रिस कर बर्फ बन गया है! पानी अभी भी मेरे ग्रह पर मौजूद है! बस उसे पिघलाने का रास्ता सोचना है!
मैं चला! मैं चला!
एक मिनट! अभी तक तो तुमको ये बात नहीं पता थी!
हां, नहीं पता थी! न जाने अभी कैसे ये ख्याल मेरे दिमाग में आ गया?
तूने लाखों जिन्दगियां बचाई हैं, चेले!
कुछ समझ ही नहीं आया, यार!
वो कौन सी शक्ति है जिसने इसको ये रहस्य बता दिया!
हां, गुरू! जब सेटेलाइट लिंक से मैंने तुम्हारे कंप्यूटर पर गुरू की बातें सुनीं तो मैंने तुरन्त अपने मानसिक रूप को उसके ग्रह पर भेजकर वहां की छान-बीन करी! और वहां पर मुझे बर्फ बना पानी मिल गया!
गुरू को कभी पता नहीं चलेगा कि उसकी प्रजाति को जीवनदान देने वाला हमारा टीन एज सुपर हीरो छोटा नागराज है! परडोंट बी सैड! चलता है यार!
समाप्त